an>

Title: Regarding renaming the roads after the name of our freedom fighters.

श्रीमती अंजू बाला (मिश्रिख) : माननीय अध्यक्ष महोदया, हम सब अपने देश का सत्तरवां स्वतंतूता दिवस मनाने जा रहे हैं। इस विशेÂष मौके पर मैं स्वतंतूवीर विनायक दामोदर सावरकर के विÂषय में सरकार के संज्ञान में लाना चाहती हूं कि सावरकर एक वीर स्वतंतूता सेनानी, उत्साही, समाज सुधारक, समर्पित राष्ट्रवादी थे। उन्होंने अंग्रेजों को अपनी मातृभूमि से निकालकर भारत को आजाद कराने के लिए शहीदों के अधूरे लक्ष्य को पूरा करने का पूण लिया था । महोदया 27 वÂाऩ की आयु में उन्हें दो बार कालेपानी की सजा सुनाई गई। वे ऐसे कूांतिकारी वीर थे, जिनको पूरा हिंदुस्तान जानता है। हमारे अंडमान के सांसद भी काला पानी की बात करते हैं कि मुझे बोलने का मौका देना चाहिए। मैं खुद अंडमान निकोबार गई थी, जब मैंने उनकी कोठी में पांच मिनट हम लोगों ने बिताए, तब हमें महसूस हुआ कि वे ग्यारह साल उन्होंने वहां पर कैसे बिताए होंगे।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती हूँ कि हमारे जो ऐसे कूांतिवीर हैं, जिन्होंने हमारे भारत के लिए अपना बलिदान दिया उनको उचित सम्मान मिलना चाहिए। इस महान कूांतिकारी के नाम से भी मार्गों का निर्माण, सरकारी पूतिष्ठान, सरकारी योजनाओं के नाम होने चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री बिÂष्णु पद राय, श्रीमती नीलम सोनकर एवं साध्वी सावित्री बाई फूले को श्रीमती अंजू बाला द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति पूदान की जाती है।